प्रेम की विरासत

मेरे बहुमूल्य बच्चे

तुम शायद मुझे नहीं जानते या तुम्हें मेरी याद नहीं है, लेकिन मेरे दिल की बात तुमसे बाँटने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद। यह संदेश तुम्हारे पास अकस्मात् नहीं पहुँचा है। मैं तुम्हारी जिन्दगी भर तुम्हें खोजता रहा हूँ। (मत्ती 18.12-14) मैं तुम्हारा सृष्टिकर्ता परमेश्वर हूँ (यशायाह 40.28), तुम्हारा स्वर्गीय पिता और मुझे तुम्हारी बहुत अधिक चिन्ता है। (मत्ती 6.26) तुम मेरे शाही वंश के हो (1 यूहन्ना 3.1, प्रकाशितवाक्य 1.6) और एक अनमोल विरासत के वारिस हो। (1 पतरस 1.3,4) हमारे परिवार की शाही विरासत तुम्हारी है यदि तुम उसे स्वीकार करना चाहो। (यूहन्ना 1.12) यह प्रेम पर आधारित एक अतुल्य विरासत है और आनन्द एवं आशा लाती है। (यूहन्ना 15.9-17) मैं ये खजाने तुम्हें देना चाहता हूँ ताकि तुम इन्हें मेरे दूसरे बच्चों तक पहुँचाने के आनन्द का अनुभव कर सको। (यशायाह 58.10,11)

तुम्हारे लिए मेरा महान प्रेम

यद्यपि तुम बहुतों में से एक हो परन्तु मैं तुम से मेरे एकलौते बच्चे के समान प्रेम करता हूँ। (भजन 33.13-15, लूका 15.4-6) मैंने तुम्हारे जन्म की योजना संसार की रचना से पहले बनाई थी। (इफिसियों 1.4) उस समय मैं ने तुम्हारे अस्तित्व और तुम्हारे जीवन के उद्देश्य को सावधानी से मेरी पुस्तक में लिखा। (भजन 139.16) फिर, जब वह विशेष दिन आया तो मैं ने तुम्हें तुम्हारी माता के गर्भ में बनाया, मेरी दृष्टि में अनमोल और अद्भुत रीति से बनाया। (भजन 139.13-15) मेरे बच्चे, मैं जानता हूँ कि इस पर विश्वास करना कठिन है कि यद्यपि मैं ही ब्रह्माण्ड को अस्तित्व में लाया हूँ और उसे सही क्रम में बनाए रखता हूँ (भजन 33.6-9) फिर भी तुम निरन्तर मेरे विचारों में रहते हो। (भजन 139.17-18) मैं तुम्हारे सिर के बालों की गिनती भी जानता हूँ। (मत्ती 10.29-31) तुम्हारे प्रति महान प्रेम के कारण मेरी यह गहरी इच्छा है कि तुम्हें पाप के बन्धन से छुटकारा दूँ जो तुम्हें नाश कर रहा है। (इब्रानियों 2.14-15) मैं तुम्हें शान्ति, आशा और एक अद्भुत भविष्य देना चाहता हूँ। (यिर्मयाह 29.11) परन्तु, मेरे यह सब करने से पहले यह आवश्यक है कि तुम मुझ पर भरोसा करो करो और मुझे अनुमति दो। (भजन 84.11,12)

मैं प्रेम, प्रेम का उद्भव, स्रोत और उसकी परिभाषा हूँ। (1 यूहन्ना 4.16) मेरे चरित्र की गहराईयाँ और मेरे शासन का आधार अनुग्रह, तरस, न्याय, दया, और सत्य हैं। (भजन 86.15, 89.14) मेरे बच्चे, ऐसा कुछ भी नहीं है जो तुम्हें मेरे प्रेम से अलग कर सके। (रोमियों 8.37-39) इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम्ह कैसा व्यवहार करते हो, तुमने क्या किया है, या क्या तुम्हें यह विश्वास भी है कि मेरा अस्तित्व है, मैं तुमसे प्रेम करता रहा हूँ और सदैव एक शर्तरहित एवं अनन्त प्रेम से तुम्हें प्रेम करता रहूँगा। (यिर्मयाह 31.3) परन्तु, मैं तुमसे अत्यधिक प्रेम करता हूँ इसलिए मैं तुम्हें सदैव मुझे चुनने या न चुनने की स्वतंत्रता दूँगा। (यशायाह 1.18) मैं तुम्हें भाव-विभोर नहीं करना चाहता! मैं तुम्हारे प्रति मेरे प्रेम के बारे में घण्टों बता सकता हूँ (भजन 40.5), परन्तु अभी मैं यह कहकर समाप्त करना चाहता हूँ कि मेरे प्रेम की ऊँचाई, गहराई और चौड़ाई इतनी अधिक है कि तुम उसे कभी पूरी तरह से नहीं समझ सकते। (यशायाह 43.1-4, इफिसियों 3.18-19)

स्वेच्छा से बन्धक

तुम सोच रहे होगे, मैं बन्धक कैसे हूँ, यह तथ्य सुनने में अजीब लग सकता है परन्तु तुम्हारे जन्म से बहुत पहले, मेरे राज्य में एक धोखेबाज ने पृथ्वी के मेरे सारे बच्चों का अपहरण कर लिया और अपने झूठ के द्वारा उन्हें बन्धक बनाए हुए है। (उत्पत्ति 3.1-5) छल के द्वारा उसने तुम्हें भी बहका दिया है कि तुम मेरे प्रेम और मेरे वचन पर अविश्वास करते हुए मेरे विरूद्ध उसके विद्रोह में शामिल हो जाओ। (उत्पत्ति 3.6-7) वह मेरा सिंहासन हथियाना चाहता है (यशायाह 14.12-14) इसलिए उसने सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के सामने मेरे चरित्र पर हमला किया। उसके आरोप हैं कि मैं अन्यायी और निर्दयी हूँ। वह तुम्हें यह विश्वास दिलाना चाहता है कि तुम्हारे कष्ट का उत्तरदायी मैं हूँ और मैं एक तानाशाह हूँ जो तुम्हें दण्ड देने और नष्ट करने के कारण ढूँढता रहता है। परन्तु यह लोकप्रिय विचार सत्य पर आधारित नहीं है। (भजन 103.8) यथार्थ में मेरी यह हार्दिक इच्छा है कि मेरा प्रत्येक बच्चा उद्धार पाए। (2 पतरस 3.9)

वास्तव में विद्रोही शैतान ही उस वेदना और कष्ट का कारण है जिसे तुमने अपने जीवन में अनुभव किया है। (अय्यूब 2.7) उसने जन्म के समय से ही तुम्हें धोखा दिया है और तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार किया है, शिकार की ताक में रहने वाले सिंह के समान उसका अन्तिम लक्ष्य अभी और अनन्तकाल के लिए तुम्हारी तबाही है। (1 पतरस 5.8) वह अपने लक्ष्य को पाने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। परन्तु खुशखबरी यह है कि तुम्हारे छुटकारे के लिए पूरा स्वर्ग उस सीमा को भी पार कर गया। (रोमियों 5.6-11) मैंने अपने पुत्र को तुम्हें दोषी ठहराने के लिए नहीं, परन्तु इसलिए भेजा कि तुम्हें बचाने के लिए वह अपना प्राण दे। इस उपहार को पाने के लिए तुम्हें केवल इतना करना है कि तुम विश्वास करो और माँगो। (यूहन्ना 3.16-17) समझ के परे इस उपहार के द्वारा हमारे परिवार की विरासत आज भी जारी है। (यूहन्ना 15.13)

तुम एक दुर्घटना नहीं हो

वह धोखेबाज मुझ से घृणा करता है इसलिए वह तुम से भी घृणा करता है। सबसे पहले, इसलिए क्योंकि मैं तुम से बहुत अधिक प्रेम करता हूँ! और दूसरा कारण यह है कि मैंने तुम्हें मेरे स्वरूप में रचा है। (उत्पत्ति 1.26,27) वह झूठ का पिता है (यूहन्ना 8.44) और उसका लक्ष्य तुम्हें तुम्हारी सच्ची विरासत की आशीष का अनुभव करने से रोकना है। वह तुम्हें झूठ, अपमान, और अन्ततः विनाश की विरासत देता है। (इफिसियों 6.12)

उसने इस झूठ को आरम्भ किया और उसे बनाए हुए है कि तुम अन्तरिक्ष की किसी दुर्घटना से विकसित हुए हो। वह चाहता है कि तुम इस विरासत को स्वीकार करो कि तुम्हारे पुरखे जानवर थे। (रोमियों 1.21-23) तुम मेरी सन्तान हो और कोई दुर्घटना या बन्दर के वंशज नहीं हो। (1 यूहन्ना 3.1) जब तुम अपनी सच्ची उत्पत्ति को समझते नहीं हो या उससे इन्कार करते हो तो धोखेबाज हम दोनों का मजाक उड़ाता है। वह जानता है यदि तुम सत्य की बजाय इस झूठ पर विश्वास करोगे तो यह अन्ततः तुम्हें मुझ से दूर कर देगा, तुम्हारी पहचान छिन जाएगी, तुम्हें अपमानित होना पड़ेगा, और तुम्हारी आशा खत्म हो जाएगी। (रोमियों 1.24-32) मेरे बच्चे, इस छल पर विश्वास मत करो। (1 तिमुथियुस 6.20-21) सत्य यह है कि मैं ने तुम्हें आश्चर्यजनक और अद्भुत रीति से रचा है! (भजन 139.14) एक बार यदि तुम्हें यह अहसास हो जाए कि तुम्हारी सच्ची विरासत मुझ से है तो फिर तुम्हें यह सवाल करने की आवश्यकता नहीं रहेगी कि तुम कौन हो, तुम कहाँ से आए हो, या तुम्हारे जीवन का उद्देश्य क्या है। इन प्रश्नों के सच्चे उत्तर जिन्हें मैं तुम्हारे साथ बाँटना चाहता हूँ, वे तुम्हें स्वतंत्र कर देंगे। (यूहन्ना 8.32) यदि तुम मुझे अनुमति दो तो मैं तुम्हारे मन के खालीपन को आनन्द, शान्ति और आशा से भर दूँगा। फिर तुम्हें इस संसार के अल्पकालीन सुखों के पीछे भागने की प्रेरणा नहीं मिलेगी। (रोमियों 15.13) फिर तुम्हें पाप की गुलामी से आने वाले खालीपन, धब्बों और विनाश का अनुभव नहीं करना पड़ेगा। (रोमियों 6.20-23) मैं तुम्हें बाँधने वाली जंजीरों को तोड़ना चाहता हूँ। (यशायाह 58.6) मैं तुम्हें ग्लानि से मुक्त करना चाहता हूँ और वह खुशी तुम्हें देना चाहता हूँ जिसकी तुम इच्छा रखते हो। (भजन 103)

सर्वोच्च निमंत्रण

एक सिद्ध सज्जन होने के कारण मैं तुम्हें विवश नहीं करूँगा, मैं तुम्हारे जीवन में शान्ति केवल तभी ला सकता हूँ जब तुम मुझे जानो और मुझ पर भरोसा करो।

(यशायाह 26.3-4) मुझे पता है कि मैं जो कुछ बता रहा हूँ उसे समझने में थोड़ा समय लगेगा। मैं यह भी जानता हूँ कि तुम बहुत ही व्यस्त व्यक्ति हो और मैं तुम्हें दबाना नहीं चाहता। क्या तुम हर दिन केवल कुछ मिनट मेरे साथ बिता सकते हो। (नीतिवचन 8.17) हम दोनों अपने दिल की बातें आपस में बाँट सकते हैं। मुझे तुम्हारी बात को सुनना, तुमसे बात करना और तुम्हें अच्छे उपहार देना अच्छा लगता है। (मत्ती 7.7-11)

सदैव याद रखो कि तुम एक मित्र के समान मुझसे बात कर सकते हो। (भजन 86.6-17) तुम इसे ऊँची आवाज में या अपने मन में कर सकते हो। मैं सुन रहा हूँ और किसी भी समय एवं कहीं से भी तुम्हे सुन सकता हूँ। (यिर्मयाह 23.23-24) और तुम्हें शायद मेरी आवाज सुनाई न दे लेकिन मैं हमेशा उत्तर दूँगा। (रोमियों 10.12) मैं तुमसे प्रेम करता हूँ इसलिए उत्तर शायद उस समय या उस प्रकार से नहीं होंगे जैसे तुमने माँगे हैं, परन्तु एक अच्छा पिता होने के कारण मैं उसी प्रकार से उत्तर दूँगा जो तुम्हारे लिए सर्वोत्तम होगा। (1 यूहन्ना 5.14-15)

पाप द्वारा लाए गए अलगाव के कारण मैं तुम्हारे सामने नहीं आ सकता; मेरी महिमा की चमक से तुम्हें हानि पहुँचेगी और मैं ऐसा नहीं चाहता। (निर्गमन 33.18-23) परन्तु, यदि तुम चाहो तो हम कई प्रकार से आपस में बात कर सकते हैं जैसे, प्रकृति के द्वारा (रोमियों 1.20), मेरी आत्मा के द्वारा तुम्हारे मन में कोई विचार डालकर (1 यूहन्ना 4.13), और मेरे लिखित वचन के द्वारा। (2 तिमुथियुस 3.15-17)

विरासत को खोजो

अधिकाँश लोग मेरे लिखित वचन को पवित्रशास्त्र या बाइबल कहते हैं। यह पत्रों का एक संग्रह है जिसे मैंने मुझे अच्छी तरह से जानने वाले लोगों के द्वारा लिखा है। उनके द्वारा मैं ने मेरी विरासत के विवरणों को तुम्हें बताया है। (2 पतरस 1.21) सन्देही लोग कहते हैं कि यह एक प्राचीन पुस्तक है, आज के लिए प्रासंगिक नहीं है। (2 पतरस 3.3-4) परन्तु सत्य से दूर और कुछ नहीं हो सकता है! मेरे कहे हुए वचन के समान यह जीवित है, जीवन को बदलने वाला है, सामर्थी है (इब्रानियों 4.12, भजन 29.3-4) और सर्वदा स्थिर रहेगा। (यशायाह 40.8) मेरे सत्य एवं प्रेम की विरासत एक भव्य चित्रपट पर स्वर्णिम डोर के समान इसके पृष्ठों में प्रकट है। (भजन 119.160)

मैं तुम्हें प्रोत्साहित करता हूँ कि मेरे वचन को अपने जीवन में एक अवसर दो, मुझे विश्वास है कि तुम पढ़कर चकित हो जाओगे। यह न केवल अतीत को प्रकट करता है ताकि तुम दूसरे लोगों की गलतियों से सीख सको, बल्कि भविष्य के बारे में भी प्रकट करता है कि तुम योजना बना सको और आशा रख सको। (यशायाह 46.9-10) यदि शुरूआत में तुम्हें इसे समझना और इसका आनन्द लेना कठिन लगे तौभी उसे पढ़ना मत छोड़ना। दिन बीतने के साथ यह एक आशीष बन जाएगा जब मैं मेरे वचनों को परखने और मेरी आवाज को सुनने की तुम्हारी योग्यता को तीखा करूँगा। (1 कुरिन्थियों 2.9-16) मैंने इसके पृष्ठों की प्रेरणा दी है ताकि चाहे सीधा-सादा व्यक्ति हो और या बुद्धिमान, जो कोई खुले दिल से उन्हें खोजता है उसे शान्ति और जीवन के लिए मार्गदर्शन मिले। (भजन 119.105,130,133) यदि तुम्हारी अलमारी में कहीं कोई बाइबल नहीं है तो तुम इसे किसी दुकान से या मेरी किसी सन्तान से प्राप्त कर सकते हो जो पहले से ही मेरी विरासत का भागी है। मैं वास्तव में यह चाहता हूँ कि तुम्हारे पास एक बाइबल हो, यदि तुम खोज रहे हो तो मैं किसी न किसी तरह उसे तुम्हारे पास पहुँचा दूँगा। (मत्ती

24.14) तुम देखोगे कि इस पत्र में मैं ने उसके परिच्छेदों का उल्लेख किया है। मैं तुम्हें प्रोत्साहित करता हूँ कि समय निकालकर प्रत्येक वचन को ढूँढो और खुले मन से मैं ने जो लिखा है उसे पढ़ो। (1 थिस्सलुनीकियों 2.13) यह पुष्टि करेगी कि यह पत्र वास्तव में मेरी ओर से है और तुम्हारे विश्वास एवं भरोसे को बढ़ाने में सहायता करेगी। (रोमियों 10.17) यदि तुम मेरे वचन से परिचित नहीं हो तो खोजबीन में तुम्हारी सहायता के लिए उसकी शुरूआत में पुस्तक सूची दी गई है।

मेरे पुत्र से भेंट करो

जब तुम मेरे वचन को पढ़ते हो तो तुम मेरे बारे में और मेरे पुत्र, यीशु के बारे में भी पढ़ोगे। (यूहन्ना 5.39) वह मेरी विरासत को दिखाने के लिए पृथ्वी पर आया और तुम्हारी आजादी के लिए फिरौती चुकाने (यशायाह 53) और तुम्हें बहुतायत के जीवन (यूहन्ना 10.10) का अनुभव करने का अवसर देने के द्वारा उसने इसे दिखाया। उसके जीवन की कहानियों को मुख्यतः मत्ती, मरकुस, लूका और यूहन्ना की पुस्तकों में बताया गया है। यह हमें जानने की शुरूआत करने का एक अच्छा स्थान है। कभी-कभार तुम दुविधा में पड़ सकते हो कि बाइबल हम में से किसके बारे में बात कर रही है लेकिन कोई बात नहीं, हम एक हैं। (यूहन्ना 10.30) तुम्हारे प्रति उसका प्रेम और हमारे परिवार की धरोहर एवं स्थिर विरासत में तुम्हारे भाग लेने की उसकी इच्छा मेरे समान ही दृढ़ है। (1 यूहन्ना 4.9-10) अतः, मेरे पुत्र यीशु मसीह को जानने के लिए उठाए गए कदमों के द्वारा तुम हम दोनों को जानोगे। (यूहन्ना 14.9, मत्ती 11.27)

अभी के लिए बस इतना ही

एक साथ बिताया गया यह समय मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है! मेरे पास कहने के लिए और हमारी खूबसूरत विरासत तुम्हें देने के लिए बहुत कुछ है! यह मेरी हार्दिक इच्छा है कि तुम एक शान्त जगह को पाओ और हर दिन मेरे साथ बिताने के लिए कोई विशेष समय अलग करो। (नीतिवचन 8.17) बस यह याद रखो कि मैं कभी तुम पर दबाव नहीं डालूँगा। (यशायाह 1.18) मैं सर्वदा तुम से प्रेम करूँगा और तुम्हारे साथ जिस खूबसूरत अनन्तकाल की हम योजना बना रहे हैं वह तुम्हारे बिना अधूरी रहेगी। (यूहन्ना 14.1-3) हर दिन हम तुम्हारे साथ की आशा रखेंगे और इच्छा करेंगे। (लूका 15.20)

मेरे सारे प्रेम सहित,

परमेश्वर, तुम्हारा स्वर्गीय पिता

विरासत श्रंखला
बाइबल अध्ययन पुस्तकें

विभिन्न् भाषाओं में मुफ्त डाउनलोड उपलब्ध
www.Bible-Lessons.org

(c) 2014 रेवलेशन पब्लिकेशन्स। वैश्विक सर्वाधिकार सुरक्षित। हमारी सामग्रियों का मुफ्त प्रयोग और आदान-प्रदान किया जा सकता है लेकिन